आज भरे दरबार करिश्मे दिखलाएगी मोरछड़ी भजन लिरिक्स

आज भरे दरबार करिश्मे,
दिखलाएगी मोरछड़ी,
हिरे मोती बरसेंगे,
जब लहराएगी मोरछड़ी।bd।

हमने भी देखे इसके,
कितने खेल निराले है,
मंदिर के पट क्या ये तो,
खोले किस्मत के ताले है,
जिसको भी छू लेगी,
मालामाल करेगी मोरछड़ी,
हिरे मोती बरसेंगे,
जब लहराएगी मोरछड़ी।bd।

श्याम है नैया का माझी,
तो मोरछड़ी पतवार है,
जिसको थाम के करता हमको,
भवसागर से पार है,
आज सभी भक्तो का बेड़ा,
पार करेगी मोरछड़ी,
हिरे मोती बरसेंगे,
जब लहराएगी मोरछड़ी।bd।

निर्धन को धन दे अंधे को,
ये आँखे दे जाती है,
इसके झाड़े से 'सोनू',
बाँझन भी लाल खिलाती है,
जो भी मांगोगे झोली में,
भर जाएगी मोरछड़ी,
हिरे मोती बरसेंगे,
जब लहराएगी मोरछड़ी।bd।

आज भरे दरबार करिश्मे,
दिखलाएगी मोरछड़ी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हिरे मोती बरसेंगे,
जब लहराएगी मोरछड़ी।bd।

स्वर – सौरभ मधुकर।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com